

सिलहला/सिलहिला वि. (देश.) 1. जिस पर हाथ या पैर फिसलते हो 2. फिसलन वाला 3. रपटीला।

सिलहसाज पुं. (अर.+फा.) हथियार बनाने वाला कारीगर।

सिलहारी/सिलहारिन स्त्री. (देश.) 1. गेहूँ या जौ के खेत में सिला बीनने वाली स्त्री 2. बहुत निर्धन स्त्री।

सिला स्त्री. (तद्.) 1. शिला, बड़ा पत्थर या चट्टान 2. पत्थर की सिल (जो मसाले आदि पीसने के काम आती है) पुं. 1. फसल की कटाई के बाद खेत में पड़े हुए अनाज के दानों को बीनने का काम 2. उक्त प्रकार के खेत में पड़े हुए दाने 3. उक्त दानों को बीनकर पेट भरने की वृत्ति वि. (देश.) जो सी दिया गया हो जैसे- सिला कपड़ा पुं. (अर.) 1. बदला 2. भलाई या बुराई का बदला 3. पुरस्कार, इनाम।

सिलाई स्त्री. (देश.) 1. सुई से सीने की क्रिया 2. कपड़ा आदि सीने का ढंग 3. सिले जाने पर दिखने वाले धागे, सीवन 4. सीने की मजदूरी।

सिलाकन पुं. (तद्.) पत्थर के बहुत छोटे टुकड़े, शिला-कण।

सिलाजीत पुं. (तद्.) शिलाओं के तपने से निकलने वाला काला रस जो शरीर को पुष्ट करता है, शिलाजीत।

सिलातल पुं. (तद्.) चट्टान का समतल चौरस ऊपरी भाग।

सिलाना स.क्रि. (देश.) 1. सीने का काम किसी अन्य से कराना 2. सील वाले स्थान में रखकर या किसी अन्य प्रकार से सीला/गीला बनाना।

सिलापाक पुं. (देश.) 1. पत्थरफूल 2. छरीला 3. शैलज।

सिलापुष्प पुं. (तद्.) 1. शिलापुष्प 2. शैलेय 3. पत्थरफूल 4. भूरिछीला टि. जलाशयों के समीप के पर्वतों पर वृक्षों पर बर्फ पड़ने से जमी काई में छोटी-छोटी पत्तियाँ निकल आती है, वे गर्मी

से सूखकर छाल की तरह उतर आती है, इस पुष्प का प्रयोग अनेक दवाइयों में भी होता है।

सिलाबी वि. (देश.) 1. साड़ीवाला 2. तर 3. सैलाबी।

सिलारस पुं. (तद्.) शिलारस, सिल्हक वृक्ष की गोंद।

सिलावट पुं. (तद्.) 1. पत्थर काटने और गढ़ने वाले 2. संग-तराश स्त्री. 1. सिलने या सीये जाने की क्रिया या ढंग 2. सिलाई।

सिलासार पुं. (तद्.) 1. शिलासार 2. लोहा।

सिलाह पुं. (अर.) 1. जिरह-बकतर 2. कवच 3. अस्त्र-शस्त्र 4. हथियार।

सिलाहखाना पुं. (अर.) 1. सिलहखाना 2. शस्त्रगार।

सिलाहार वि. (देश.) 1. जो सिला वृत्ति से अपनी जीविका चलाता हो 2. अत्यंत निर्धन 3. अकिंचन 4. दरिद्र।

सिलाही पुं. (अर.) 1. शस्त्र धारण करने वाला 2. सैनिक 3. सिपाही।

सिलिप पुं. (तद्.) 1. शिल्प 2. कारीगरी।

सिलिमुख पुं. (तद्.) 1. शिलिमुख 2. भ्रमर 3. भौरा 4. बाण, तीर।

सिलिया पुं. (तद्.) एक प्रकार का पत्थर जो मकान बनाने के काम आता है, शिला।

सिलियार वि. (देश.) सिलाहर।

सिली स्त्री. (तद्.) 1. धारदार या नुकीली चीज 2. आँख में अंजन लगाने की सलाई।

सिलीपर पुं. (अर.) 1. पैरों में पहनने की चप्पल और जूते से भिन्न एक वस्तु जिसमें पंजा ढँका रहता है और एड़ी आदि खुले रहते हैं 2. लकड़ी की पट्टी जो रेल की पटरी के नीचे बिदायी जाती है।

सिलेट पुं. (अर.) 1. एक प्रकार का कम कड़ा और मटमैला पत्थर 2. उक्त पत्थर की एक चौकोर पट्टी जिस पर विशेष बत्ती से सरलता से लिखा जा सकता है और मिटाया भी जा सकता है।